Roll No. .....

Total No. of Pages : 4+2

Total No. of Questions : 20

उत्तरमध्यमा द्वितीय खण्ड

विषय कोड : 831

जीवविज्ञान

अष्टम—ऐच्छिक प्रश्नपत्रम

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 75

निर्देश : (1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(2) प्रश्नपत्र खण्ड 'अ' एवं खण्ड 'ब' में बाँटा गया है।

(3) खण्ड 'ब' के सभी प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिये गये हैं।

(4) प्रश्न क्रमांक 5 से प्रश्न क्रमांक 8 तक प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

(5) प्रश्न क्रमांक 9 से प्रश्न क्रमांक 12 तक प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है।

(6) प्रश्न क्रमांक 13 से प्रश्न क्रमांक 17 तक प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है।

(7) प्रश्न क्रमांक 18 से प्रश्न क्रमांक 20 तक प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।

(8) आवश्यकतानुसार स्वच्छ नामांकित चित्र बनाइये।

खण्ड 'अ'

1. सही विकल्प चुनकर लिखिये : 5×1=5

(अ) पूर्ण परजीवी पौधा है -

(*i*) आलू

(*ii*) अमरबेल

(*iii*) नीम

(*iv*) मनीप्लांट

676

(ब) हीमोग्लोबिन पाया जाता है :

(*i*) श्वेत रक्त कणिका में

(*ii*) लाल रक्त कणिका में

(*iii*) प्लेटलेट्स में

(*iv*) थ्रॉम्बोसाइटस में

(स) फलों को जल्दी पकाने के लिये किसका उपयोग होता है ?

(*i*) जी.ए.

(*ii*) फ्लोरिजिन

(*iii*) इथलीन

(*iv*) आई.ए.ए.

(द) पत्तियों पर मोम पायी जाती है :

(*i*) मरुद्भिदों में

(*ii*) जलीय पौधों में

(*iii*) स्थलीय पौधों में

(*iv*) परजीवी पौधों में

(इ) ट्रिटिकम सटाइवम वानस्पतिक नाम है :

(*i*) मक्का का

(*ii*) चावल का

(*iii*) राई का

(*iv*) गेहूँ का

677

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये : 5×1=5

(*i*) नाइट्रोजन का स्थिरीकरण करने वाला जीवाणु ..... है।

(*ii*) अग्न्याशय में ..... नामक हार्मोन्स का निर्माण होता है।

(*iii*) पौधों में वृद्धि ..... नामक हार्मोन के द्वारा होती है।

(*iv*) लाइकेन ..... का उदाहरण है।

(*v*) साहीवाल ..... की नस्ल है।

3. सही जोड़ी बनाइये : 5×1=5

कॉलम 'अ'	**कॉलम 'ब'**
(*i*) बिन्दुस्राव	(अ) जलरंध्र
(*ii*) जठर रस	(ब) कूटपाद
(*iii*) अमीबा	(स) आमाशय
(*iv*) धँसे रन्ध्र	(द) मुर्गी
(*v*) रानीखेत	(इ) नागफनी

4. एक शब्द में उत्तर दीजिये : 5×1=5

(*i*) पौधों द्वारा पानी की वाष्प के रूप में हानि कहलाती है।

(*ii*) एक सामान्य मनुष्य का रक्त दाब कितना होता है ?

(*iii*) विश्व पर्यावरण दिवस कब मनाया जाता है ?

(*iv*) कान्हा राष्ट्रीय उद्यान कहाँ स्थित है ?

(*v*) चाय की पत्तियों में पाये जाने वाले पदार्थ का नाम बताइये।

678

खण्ड 'ब'

5. मस्तिष्क के **दो** कार्य लिखिये। 2

अथवा

एन्जाइम्स के **दो** कार्य लिखिये।

6. दीप्तिकालिता क्या है ? 2

अथवा

परागण किसे कहते हैं ?

7. जिबरेलिन हार्मोन के **दो** कार्य लिखिये। 2

अथवा

पौधों में पायी जाने वाली **दो** गतियों के नाम लिखिये।

8. वातावरण के घटकों के नाम लिखिये। 2

अथवा

प्रदूषण क्या है ? **दो** प्रदूषकों के नाम लिखिये।

9. वाष्पीकरण एवं वाष्पोत्सर्जन में क्या अंतर है ? 3

अथवा

नाइट्रोजन की कमी से पौधों में दिखने वाले **तीन** लक्षण बताइये।

10. प्रकाश-संश्लेषण को प्रभावित करने वाले कारकों के नाम लिखिये। (कोई **तीन**)। 3

अथवा

रन्ध्र (स्टोमेटा) का स्वच्छ नामांकित चित्र बनाइये।

679

11. जैविक पीड़कनाशी क्या हैं ? इनका महत्व बताइये। 3

अथवा

प्राणायाम करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिये ?

12. जनसंख्या वृद्धि के कारण एवं निराकरण बताइये (कोई **तीन**)। 3

अथवा

किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक परिवर्तन बताइये। (कोई **तीन**)।

13. यकृत के कार्य लिखिये। (कोई **चार**)। 4

अथवा

रेखित एवं अरेखित पेशियों में अंतर बताइये। (कोई **चार**)।

14. लार के **चार** मुख्य कार्य बताइये। 4

अथवा

धमनी एवं शिरा में अंतर लिखिये।

15. परपरागण क्या है ? इसके लाभ व हानि बताइये। 2+1+1=4

अथवा

प्रारूपिक पुष्प का चित्र सहित वर्णन कीजिये।

16. जलीय पौधों में पाये जाने वाले अनुकूलन का वर्णन कीजिये। 4

अथवा

मृदा संरक्षण के उपाय बताइये।

17. एक आदर्श टीके में क्या गुण होने चाहिये ? 4

अथवा

जैव उर्वरक क्या है ? समझाइये।

GBO

18. ऑक्सी श्वसन एवं अनॉक्सी श्वसन में अंतर लिखिये। (कोई **पाँच**)। 5

अथवा

प्रकाश-संश्लेषण एवं श्वसन में क्या अंतर है ? (कोई **पाँच** अंतर)।

19. रक्त एवं लसीका में क्या अंतर है ? (कोई **पाँच**)। 5

अथवा

हार्मोन्स की **पाँच** विशेषताएँ बताइये।

20. औषधीय महत्व के पादपों के उत्पाद का वर्णन कीजिए। (कोई **पाँच**)। 5

अथवा

वनों के महत्व का वर्णन कीजिये। वन संरक्षण को विस्तारपूर्वक समझाइये। 2+3

प्राश्निक कोड क्र. 4/1949

SET A

पृष्ठ क्र. - 1

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय

विषय जीव विज्ञान विषय कोड 831 माध्यम हिन्दी

कुल प्रश्न 20

समय – 3 घण्टा

पूर्णांक 75

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
उ01	(i) ii. अमरबेल	1×5=5
	(ii) ii. श्वेत रक्त कणिका	
	(iii) iii. इथलीन	
	(iv) ii - जलीय पौधों में	
	(v) iii - गेहूँ	
उ02	(i) राइजोबियम	1×5=5
	(ii) इन्सुलिन	
	(iii) ऑक्सिजन	
	(iv) सहजीविता	
	(v) गाय	
उ03	(i) - i - जलरंध्र	1×5=5
	(ii) - iii आमाशय	
	(iii) - ii कूटपाद	
	(iv) - v नागफनी	
	(v) iv मुर्गी	
उ04	(i) वाष्पोत्सर्जन	1×5=5
	(ii) 120/80 MMHg	
	(iii) 5 जून	
	(iv) मध्य प्रदेश	
	(v) फेफड़ों	

हस्ताक्षर

682

प्राश्निक कोड क्र. 41/949

पृष्ठ क्र.- 2

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय

विषय जीवविज्ञान विषय कोड 831 माध्यम हिन्दी

कुल प्रश्न 20

समय - 3 घण्टा पूर्णांक 75

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
3.5	(i) शरीर की क्रियाओं पर नियंत्रण रखना। (ii) स्मरण का कार्य करना। या (i) रासायनिक क्रिया की दर को प्रभावित करना। (ii) पाचन की क्रिया का कार्य करना।	2
3.6	दीप्ति कालिता :- प्रकाशावधी के कारण पौधों मे पुष्पन की क्रिया को प्रभावित दीप्तिकालिता कहलाता है। या एक पुष्प के परागकण का उसी पुष्प या उसी जाति के अन्य पुष्प की वर्तिकाग्र पर गिरना परागण कहलाता है।	2
3.7	(1) इसके द्वारा पौधों की लम्बाई मे वृद्धि होती है (2) यह पुष्पन को जल्दी प्रेरित करता है। या पौधों मे दो प्रकार की गतियाँ होती है. (i) चलन गतियाँ - यह जीवद्रव्य या जीव के एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने से होती है (ii) वक्रण गतियाँ :- यह पौधों मे वक्रता या मोड़ उत्पन्न होने के कारण होती है।	2

हस्ताक्षर

प्राश्निक कोड क्र. 411949

पृष्ठ क्र.- 3

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय

विषय....जीव विज्ञान.... विषय कोड 831 .... माध्यम .... हिन्दी

कुल प्रश्न 20

समय - 3 घण्टा

पूर्णांक 75

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
उ.8.	वातावरण में दो घटक पाये जाते हैं - (i) अजीविय घटक - ताप, प्रकाश, जल, मृदा। (ii) जीविय घटक - पादप एवं जन्तु या प्रदूषण :- वातावरण (पर्यावरण) में होने वाले अवांछनीय परिवर्तन को प्रदूषण कहते हैं। (i) SO_2, CO_2, CO आदि प्रदूषक हैं।	(2)
उ.9	वाष्पीकरण — वाष्पोत्सर्जन	(3)
(i)	यह अजैविक क्रिया है — (i) यह जैविक क्रिया है	
(ii)	इसमें रन्ध्र आवश्यक नहीं हैं। — (ii) यह क्रिया रन्ध्रों द्वारा होती है।	
(iii)	यह किसी भी सतह पर हो सकती है। — (iii) यह पौधों में पायी जाती है।	
	या नाइट्रोजन की कमी से दिखने वाले लक्षण। (i) पौधों की वृद्धि प्रभावित होती है। (ii) क्लोरोफिल के निर्माण में कमी आ जाती है पत्तियाँ पीली पड़ जाती हैं (iii) इसकी कमी से एन्थोसायनिन नामक रंगद्रव्य बनता है।	

हस्ताक्षर ....

प्राश्निक कोड क्र. 4/1949

पृष्ठ क्र.- 4

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय

विषय जीवविज्ञान विषय कोड 831 माध्यम हिन्दी

कुल प्रश्न 20

समय - 3 घण्टा

पूर्णांक 75

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
उ.10	प्रकाश संश्लेषण को प्रभावित करने वाले कारक :-	1+1+1=3
(i)	प्रकाश (i.)	
(ii)	ताप	
(iii)	जल	
(iv)	कार्बन डाय आक्साइड	
(v)	क्लोरोफिल	
	(कोई तीन को विस्तारित लिखने पर प्रति कारक 1 अंक प्रदान किया जाय)	
	आ	
		$1\frac{1}{2}+\frac{1}{2}$
	स्टोमेटा (रन्ध्र)	

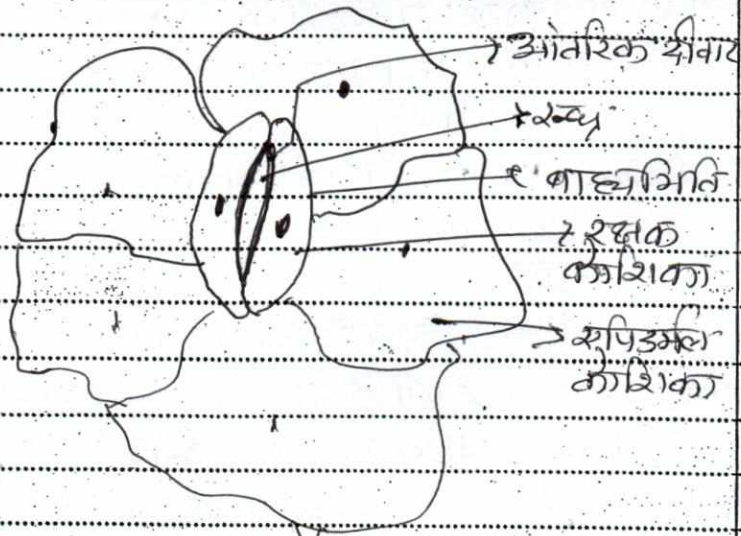

हस्ताक्षर

685

प्राश्निक कोड क्रं. 411949

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय

विषय जीवविज्ञान विषय कोड 831 माध्यम हिन्दी

कुल प्रश्न 20

समय – 3 घण्टा

पूर्णांक 75

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
30.11	जैवपीड़क नाशी :- ऐसे जीव या उनके उत्पाद जिनका उपयोग पीड़क या अवांछित जीवों को नष्ट करने के लिये किया जाता है। उन्हें जैव पीड़कनाशी कहा जाता है।	$1\frac{1}{2}+1\frac{1}{2}=3$
	महत्व :-	
	(1) रसायनिक पीड़कनाशी की अपेक्षा सस्ते होते हैं।	
	(2) पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाते हैं।	
	(3) इन्हें आवश्यकतानुसार उत्पादित किया जाता है	
	या	
	प्राणायाम करते समय आवश्यक बातें :-	
	(1) प्राणायाम खुली जगह पर करना चाहिये।	
	(2) प्राणायाम सुखासन में बैठ कर करना चाहिये	
	(3) प्राणायाम के दौरान ढीले कपड़े पहनना चाहिये।	
	(4) खाली पेट शौच के पश्चात किया जाना चाहिये।	
	(5) प्राणायाम किये जाने वाले स्थान पर मच्छर या कीट न हो।	
	(6) आसपास स्वच्छ व शांत वातावरण होना चाहिये।	
30.12	जनसंख्या वृद्धि के कारण :-	$1\frac{1}{2}+1\frac{1}{2}$
	(1) अशिक्षा -	
	(2) रुढ़िवादिता -	
	(3) जन्म दर की अधिकता एवं मृत्यु दर में कमी।	

हस्ताक्षर [signature]

प्राश्निक कोड क्र. 411949

पृष्ठ क्र.- 6

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय

विषय...जीवविज्ञान...विषय कोड...831...माध्यम...हिन्दी

कुल प्रश्न...20...

समय - 3 घण्टा

पूर्णांक...75...

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
	निराकरण :-	
(1)	लोगों को शिक्षित किया जाना चाहिये।	
(2)	जनसंख्या वृद्धि के दुष्परिणामों से अवगत कराया जाय।	
(3)	विवाह की आयु बढ़ायी जाय।	
3013	यकृत के कार्य :-	
(1)	यकृत की कोशिकायें ग्लूकोज को ग्लाइकोजन में बदलती हैं।	(4)
(2)	यूरिया का निर्माण करना।	
(3)	वसा का इमल्सीकरण कर वसा का पाचन करना।	
(4)	हानिकारक जीवाणुओं को नष्ट करना।	
	या	
	रेखित पेशी | अरेखित पेशी	1+1+1+1 = (4)
	(1) इच्छानुसार गति करने वाले भागों में पायी जाती है। | (1) स्वतः गति करने वाले भागों में पायी जाती है।	
	(2) इसकी कोशिकायें लम्बी बेलनाकार तथा अशाखित होती हैं। | (2) इसकी कोशिकायें तर्कुरूपी होती हैं।	
	(3) इसका संकुचन धीरे-धीरे देर तक चलता है। | (3) इसका संकुचन शीघ्र होता है कम समय के लिये	
	(4) ये केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र द्वारा नियंत्रित रहती है। | (4) ये स्वायत्त तंत्रिका तंत्र द्वारा नियंत्रित होती है।	

हस्ताक्षर ...

6/5

प्राश्निक कोड क्रं 41949

पृष्ठ क्र.- 7

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय

विषय जीव विज्ञान विषय कोड 831 माध्यम हिन्दी

कुल प्रश्न 20

समय – 3 घण्टा

पूर्णांक 75

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
उ0 14	लार के कार्य :-	
(1)	जीभ, होठ को नम बनाये रखना	(4)
(2)	सूक्ष्म जीवों (हानिकारक) का भक्षण करना।	
(3)	भोजन का पाचन करना।	
(4)	भोजन को चिकना बनाना।	
(5)	बोलस का निर्माण करना।	
(6)	जीभ, मुखगुहा, दांत आदि को साफ रखना।	
(7)	यह एक प्रकार का बफर है।	
(8)	भोजन को स्वाद के लिये तरल प्रदान करना	
	या	
	धमनी / **शिरा**	
	(1) यह शुद्ध रक्त का चालन करती है। / (1) यह अशुद्ध रक्त का चालन करती है।	1+1+1+1
	(11) इसकी दीवार मोटी होती है। / (11) इसकी दीवार पतली होती है।	
	(111) इसमें कपाट नही होते / (111) इसमें कपाट पाये जाते है।	
	(1V) ये रक्त को हृदय से दूर ले जाती है। / (1V) ये प्राय: रक्त को हृदय के पास लाते है।	
उ0 15	पर परागण :- जब एक पुष्प के परागकण उसी जाति के दूसरे पुष्प की वर्तिकाग्र पर पहुंचते है यह क्रिया पर परागण कहलाती है।	1+1½+1½
	लाभ :-	
(1)	इसके द्वारा उत्पन्न पौधों में नयी किस्मों का विकास होता है।	

हस्ताक्षर

OK

प्राश्निक कोड क्र. 411949

पृष्ठ क्र.- 8

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय

विषय जीवविज्ञान विषय कोड 831 माध्यम हिन्दी

कुल प्रश्न 20

समय - 3 घण्टा

पूर्णांक 75

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
(i)	उत्पन्न संतति संकर ओज के कारण स्वस्थ व बड़ी होती है,	
(ii)	इससे उत्पन्न संतति जीवन संघर्ष में ज्यादा सफल होती है।	
	हानि :	
(i)	इसके लिये माध्यम परिवर्तित करना पड़ता है।	
(ii)	अवांछनीय लक्षण भी उत्पन्न होते हैं।	
(iii)	पराग कणों की बहुत बर्बादी होती है।	
	या	
	प्ररूपिक पुष्प की संरचना	2+2

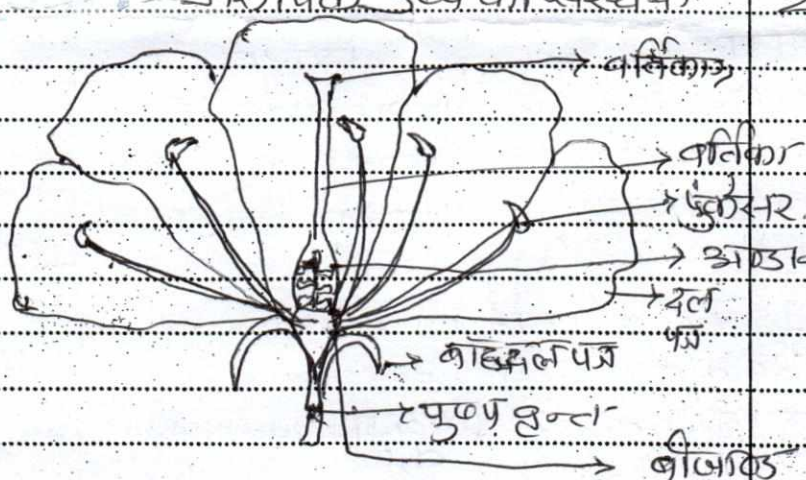

[चित्र सहित वर्णन करने पर 2 एवं सही चित्र पर 2 अंक दिये जायें]

हस्ताक्षर

689

प्राश्निक कोड क्रं 411949

पृष्ठ क्र. 9

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा/उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम/द्वितीय

विषय जीवविज्ञान विषय कोड 831 माध्यम हिन्दी

कुल प्रश्न 20

समय - 3 घण्टा

पुर्णांक 75

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतमअंक
उ०16	जलीय पौधों के अनुकूलन :–	(4)
I)	जलीय पौधों में जड़ों का अभाव होता है।	
(II)	संवहन ऊतक कम विकसित होता है।	
(III)	यांत्रिक तंत्र कम विकसित होता है।	
(IV)	पत्तियों पर मोम पाया जाता है।	
	या	
	मृदा संरक्षण के उपाय :–	
(I)	कार्बनिक कृषि, फसल चक्रण, सीढ़ीदार खेती के द्वारा	
(II)	वनीकरण के माध्यम से अधिक से अधिक पौधा रोपण करके।	
(III)	रासायनिक उर्वरकों का कम इस्तेमाल करके।	
(IV)	अत्यधिक सिंचाई को रोक के।	
उ०17	आदर्श टीके के गुण :–	(4)
(I)	यह विषाक्त एवं रोग जनित नहीं होना चाहिये।	
(II)	इससे जंतु के प्रतिरक्षा तंत्र में कोई समस्या नहीं होना चाहिये।	
(III)	जंतु में इसके विपरीत प्रभाव नहीं होना चाहिये।	
(IV)	टीका लगाने की विधी सरल होनी चाहिये तथा इसकी उत्पादन लागत कम होनी चाहिये	
	या	

हस्ताक्षर [signature]

O/C

690

प्राश्निक कोड क्रं 411949

पृष्ठ क्र. 10

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा/उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम/द्वितीय

विषय जीव विज्ञान विषय कोड 831 माध्यम हिन्दी

कुल प्रश्न 20.

समय - 3 घण्टा

पूर्णांक 75

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतमअंक
	जैव उर्वरक :- जैव उर्वरक वे जीव हैं जो भूमि की उर्वरकता को बढ़ाते हैं। जैव उर्वरको के मुख्य स्त्रोत हैं जीवाणु, कवक आदि। जीवाणु :- राइजोबियम जीवाणु वातावरण की नाइट्रोजन को भूमि में स्थीरिकृत करते हैं जीवाणु के जीवाणु बाजार में उपलब्ध हैं। माइकोराइजा :- उच्च पादियों की जड़ों में कवकों के साथ सहजीवी जीवन को माइकोराइजा कहते हैं। यह कवक जल व खनिज के अवशोषण में सहायक है।	
उ0 18	आक्सी श्वसन / अनाक्सी श्वसन	1+1+1+1+1 = 5
(i)	यह आक्सीजन की उपस्थिति में होता है। / (i) यह आक्सीजन की अनुपस्थित होता है।	
(ii)	इसमें ग्लूकोज का पूर्ण आक्सीकरण होता है। / (ii) इसमें ग्लूकोज का अपूर्ण आक्सीकरण होता है।	
(iii)	इसमें अधिक ऊर्जा उत्पन्न होती है। / (iii) इसमें कम ऊर्जा उत्पन्न होती है।	
(iv)	इस क्रिया में H_2O और CO_2 का निर्माण होता है। / (iv) इस क्रिया में CO_2 एवं एल्कोहल बनता है।	
(v)	इसमें अधिक A.T.P. का निर्माण होता है। / इसमें कम A.T.P. का निर्माण होता है।	
	या	

हस्ताक्षर

प्राश्निक कोड क्रं 411949

पृष्ठ क्र. 17

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा/उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम/द्वितीय

विषय जीव विज्ञान विषय कोड 831 माध्यम हिन्दी

कुल प्रश्न 20

समय - 3 घण्टा

पुर्णांक 75

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतमअंक
	प्रकाश संश्लेषण — श्वसन	
(1)	यह क्रिया प्रकाश की उपस्थिति मे होती है। — यह क्रिया प्रकाश की अनुपस्थिति मे भी होती है	
(2)	इस क्रिया मे क्लोरोप्लास्ट, जल, CO_2 व सूर्य के प्रकाश की आवश्यकता होती है। — इसमें इनकी आवश्यकता नही होती	
(3)	यह संरचनात्मक क्रिया है। — यह विघटनात्मक क्रिया है।	
(4)	इस क्रिया मे ग्लूकोज का निर्माण होता है। — इसमे ग्लूकोज का विघटन होता है।	
(5)	यह क्रिया पौधो मे होती है। — यह जंतु व पौधो दोनो मे होती है।	
उ.19.	रक्त — लसिका	
(1)	R.B.Cs. पाये जाते है। — (1) R.B.Cs नही पाये जाते।	
(11)	यह लाल रंग का होता है। — (11) यह रंगहीन द्रव है।	
(111)	विलेय प्रोटीन अधिक मात्रा मे व अविलेय प्रोटीन कम मात्रा मे होते है। — (111) विलेय प्रोटीन कम व अविलेय प्रोटीन अधिक मात्रा होते है।	
(1V)	O_2 व पोषक पदार्थ अधिक मात्रा मे पाये जाते है। — (1V) O_2 व पोषक पदार्थ कम मात्रा मे पाये जाते है।	
(V)	W.B.Cs. कम होते है। — (V) W.B.Cs अधिक होते है।	
स.1	हार्मोन्स की विशेषताएं :	
(1)	प्रत्येक हार्मोन किसी विशिष्ट ऊतक को प्रभावित करता है।	

हस्ताक्षर

O/C

692

प्राश्निक कोड क्रं 4.11949

पृष्ठ क्र. 12

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा/उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम/द्वितीय

विषय जीव विज्ञान विषय कोड 831 माध्यम हिन्दी

कुल प्रश्न 20

समय - 3 घण्टा

पुर्णांक 75

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतमअंक
(i)	वह जिस अंग में उत्पन्न होते हैं उससे दूर किसी अन्य अंग/ऊतक को प्रभावित करते हैं।	
(ii)	हार्मोन्स की अल्प मात्रा व कम अणुभार वाले होते हैं।	
(iii)	हार्मोन्स किसी विशिष्ट जाति के नहीं बल्कि अन्य जंतुओं के लिये भी उपयोग में आते हैं।	
(iv)	कुछ हार्मोन्स त्वरित व कुछ विलंबित क्रिया प्रदर्शित करते हैं।	
उ020	पांच औषधीय महत्व के पादप :-	1+1+1+1+1=5
(i)	नीम :- नीम की पत्ती व छाल का उपयोग त्वचा संबंधी रोग में होता है।	
(ii)	आंवला :- इसके फल का उपयोग रक्त, पित्त रोग के इलाज नेत्र व उदर रोग के लिये किया जाता है।	
(iii)	सफेद मुसली :- इसका उपयोग तंत्रिका की गड़बड़ी डायरिया, ल्यूकोरिया, कोढ़ आदि बीमारियों के उपचार में होता है।	
(iv)	स्टीविया :- इसका उपयोग तनाव कम, हृदय रोग व मधुमेह के उपचार हेतु किया जाता है।	
(v)	अश्वगंधा :- इसका उपयोग अल्सर, सूजन, दमा, कफ व मिर्गी के उपचार में किया जाता है।	
	समाप्त	

हस्ताक्षर

693

प्राश्निक कोड क्रं 411949

पृष्ठ क्र. 13

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा/उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम/द्वितीय

विषय जीवविज्ञान विषय कोड 831 माध्यम हिन्दी

कुल प्रश्न 20

समय - 3 घण्टा

पूर्णांक 75

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतमअंक
	वनो का महत्व :-	
(i)	वनों के द्वारा हमे भोजन (मसाले, फल) आदि प्राप्त होते है।	
(ii)	रेशे, रेजिन, रंजक आदि प्राप्त होते है।	
(iii)	औषधीय उत्पाद प्राप्त होते है।	
(iv)	वनो से पृथ्वी को श्वासलेने के लिये O_2 मिलती है।	
	वनो का संरक्षण :-	
(i)	वनीकरण द्वारा वनो का संरक्षण किया जासकता है	
(ii)	वनो की कटाई को रोक कर।	
(iii)	वनो के संरक्षण हेतु कानून व नियम बनाये जाये जिनका कड़ाई से पालन हो।	
(iv)	प्राकृतिक वन प्रदेशो मे आधुनिक उद्योगो को लगाने पर पूर्ण प्रतिबन्ध लगाया जाये।	
(v)	सम्पूर्ण देश मे वन चेतना केन्द्र खोले जाये।	
(vi)	कृषि वानिकी को प्रोत्साहित किया जाये जिससे भूमि का उपयोग कृषि, वानिकी व पशुपालन मे हो सके।	

श्रीमती ममता त्रिपाठी
व्या० (जीव विज्ञान)

हस्ताक्षर

694

प्राश्निक कोड क्रं ....

पृष्ठ क्र. ....

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा/उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम/द्वितीय

विषय .... विषय कोड .... माध्यम ....

कुल प्रश्न ....

समय - 3 घण्टा

पुर्णांक ....

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतमअंक

.... हस्ताक्षर ....